# महिंद्रा ने महाराष्ट्र में कृष-ई सेंटर्स का उद्घाटन किया

- *कृष-ई-महिंद्रा के नये 'फार्मिंग ऐस अ सर्विस' (FaaS) बिजनेस ने भारतीय कृषि में डिजिटल युग की शुरुआत की*
- *किसानों को फसल चक्र के दौरान फसलों और उनकी अवस्थाओं के अनुसार तरह-तरह की तकनीकी सेवाएं उपलब्ध करायी गयीं*
- *किसानों की प्रति एकड़ आय बढ़ाने हेतु कृषि विज्ञान, यंत्रीकरण और डिजिटलीकरण की शक्ति का उपयोग किया गया*
- *महाराष्ट्र में पहले कृष-ई सेंटर्स का उद्घाटन किया गया जो किसानों के लिए तीन उपयोगी एप्स - कृष-ई, कृष-ई निदान और कृष-ई रेंटल द्वारा समर्थित कृषि, किराये के उपकरण और डिजिटलीकरण सेवाएं उपलब्ध करायेंगे*

**मुंबई, 02 अक्टूबर, 2020:** महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर (एफईएस), जो 19.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर वाले महिंद्रा समूह का एक घटक है, ने महिंद्रा के नये *फार्मिंग ऐस अ सर्विस* बिजनेस के अंतर्गत आज महाराष्ट्र में *कृष-ई सेंटर्स* के उद्घाटन किये।

***'एक्सपर्ट तकनीक. नये उपाय. परिणाम दिखाये.*** की टैगलाइन वाला, कृष-ई एक व्यावसायिक खंड है जो किसानों को प्रगतिशील, किफायती और सुगमतापूर्वक हासिल की जाने योग्य तकनीकी सेवाएं उपलब्ध कराता है। कृष-ई का उद्देश्य, संपूर्ण फसल चक्र के दौरान डिजिटल सेवाओं के जरिए किसानों की आमदनी बढ़ाना है।

इन सेवाओं में कृषि परामर्श, किराये पर उन्नत कृषि उपकरण (रेंटल इक्विपमेंट) की उपलब्धता और आधुनिक प्रीसिजन फार्मिंग समाधान शामिल हैं, जिनमें से सभी कृषि की कुल लागत को कम करके और कृषि पैदावार में वृद्धि करके किसानों की आमदनी बढ़ाने पर केंद्रित हैं।

आज, महिंद्रा समूह ने अपनी 75वीं वर्षगांठ भी मनायी। इस समूह ने महाराष्ट्र से ही अपने सफर की शुरुआत की थी। ऐसे में यह उचित ही है कि कृष-ई ने औरंगाबाद एवं बारामती में अपने पहले सेंटर्स खोले और इसके बाद, यह महाराष्ट्र की अन्य छः जगहों - जालना, वर्धा, नांदेड़, पुणे, दौंड और सोलापुर में अपने सेंटर्स खोलेगा।

कृष-ई सेंटर्स को शीघ्र ही चरणबद्ध तरीके से अन्य राज्यों में भी खोला जायेगा और इसका ओम्नी चैनल एप्रोच होगा जहां किसान, कृष-ई सेंटर्स पर अपने खेतों के लिए व्यक्तिगत सेवाएं हासिल कर सकेंगे, जो डिजिटल एप्स के कृष-ई सुइट के जरिए उपलब्ध होंगे और किसान, कॉल सेंटर के जरिए हमारे कृष-ई सहायकों से संपर्क कर सकते हैं।

**इस ऐतिहासिक लॉन्च पर प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के प्रेसिडेंट - फार्म इक्विपमेंट सेक्टर (एफईएस), हेमंत सिक्का ने कहा,** "यद्यपि कृषि में निवेश व तकनीकी नवाचारों ने भारत में पैदावार के स्तरों को बढ़ाया है, फिर भी उत्पादकता और कृषकों की आय को और अधिक बढ़ाने की भारी संभावना मौजूद है। महिंद्रा में, हम कृषि के तरीके में बदलाव लाने की कोशिश करते रहे हैं। किसान की आमदनी बढ़ाने पर प्रमुखता से जोर देने के

Copyright © 2020 Mahindra & Mahindra Ltd. All rights reserved.

साथ, हमारी सोच भारतीय किसानों को प्रतिस्पर्द्धी लागत पर तकनीक उपलब्ध कराना और उनकी उन्नति में सहायता करने की है!"

**श्री सिक्का ने आगे बताया,** "हमें खुशी है कि महिंद्रा समूह की 75वीं वर्षगांठ पर कृष-ई, अपने सेंटर्स खोल रहा है। कृष-ई एक अभिनव, नया व्यावसायिक खंड है जो भारत में कृषि के नये डिजिटल दौर की शुरुआत हेतु परिकल्पित है। इसका उद्देश्य किफायती एवं सुगम्य एआई, आईओटी एवं डिजिटल समाधानों युक्त बेहतर एवं अधिक प्रभावी कृषि तकनीकों को अपनाने में मदद करके उनकी जिंदगी में बदलाव लाना है, जिससे कि उनकी कृषि की पैदावार बढ़े और उन्हें अधिक मुनाफा हो। कृष-ई के जरिए, महिंद्रा किसानों के साथ अधिक गहराई से जुड़कर घनिष्ठ संबंध स्थापित कर रहा है।"

**महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट - एफईएस स्ट्रेटजी एवं एफएएएस, रमेश रामचंद्रन** ने कहा, "कृष-ई, खेती, यंत्रीकरण एवं डिजिटलीकरण आधारित अपनी सेवाओं के जरिए कृषि के परिणामों में पहले से ही बदलाव ला रहा है। कृष-ई के जरिए, हम 1 लाख से अधिक किसानों को इन समाधानों का कृषि की लागत, फसल के स्वास्थ्य एवं उत्पादकता पर पड़ने वाले प्रभाव को दिखा चुके हैं। वर्तमान में, कृष-ई के लगभग 1,000 तकनीक प्लॉट्स हैं जहां हम किसानों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि कृषि हेतु बीज, उर्वरक आदि उपलब्ध करा के और उन्नत यंत्रीकरण समाधानों के जरिए कृषि पर पड़ने वाले प्रभावों को स्पष्ट रूप से दिखा सकें। कृष-ई के जरिए, हम सर्वश्रेष्ठ किसानों वाले राष्ट्र के निर्माण की दिशा में कार्य कर रहे हैं।"

**कृषि में डिजिटल युग की शुरुआत**

कृष-ई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग के जरिए कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को लाभ पहुंचायेगा और किसानों को किफायती तरीके से एवं सुगमतापूर्वक प्रीसिजन फार्मिंग की शक्ति प्रदान करेगा। इस हेतु, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने दुनिया भर में निवेश किया है जिनमें कनाडा-स्थित प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स कंपनी - रेसॉन, स्विस हाइपरस्पेक्ट्रल इमेज एनालिटिक्स कंपनी - गमाया और भारतीय एआई-समर्थित एग्री आईओटी कंपनी - कार्नोट में महत्वपूर्ण रूप से किये गये निवेश शामिल हैं।

कृष-ई प्रीसिजन फार्मिंग समाधानों में तरह-तरह के कैमरे व सेंसर का इस्तेमाल करके ड्रोन्स, सैटेलाइट्स, कृषि उपकरणों के जरिए खेत की मिट्टी, फसल और मशीन से जुड़ा डेटा इकट्ठा किया जाता है। एआई अल्गोरिथ्म्स, इस डेटा को उपयोगकर्ताओं के लिए आसानीपूर्वक समझ में आने योग्य एवं पर्याप्त जानकारीप्रद खेत के नक्शों के रूप में बदलता है, जिससे कि किसान और कृषि-विज्ञानी, इंटेलिजेंट मशीन्स का उपयोग करके वैरिएबल रेट फार्मिंग ऑपरेशंस कर सकें। आलू, अंगूर और गन्ने की खेती करने वाले किसान अपनी खेती के खर्च को कम करने और पैदावार बढ़ाने के लिए पहले से ही इस तरह के ऑपरेशंस की सहायता ले रहे हैं।

कृष-ई ने भिन्नतापूर्ण एवं किसान-केंद्रित तरीके से परामर्श एवं रेंटल सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु तीन एप्स लॉन्च किये हैं। परामर्श सेवाएं, फसल विशेष के लिए हैं और इसमें विशेषीकृत एवं डाइनैमिक क्रॉप कैलेंडर, रियल टाइम डायग्नोसिस और कीटों व बीमारियों का समाधान शामिल है।

रेंटल एप्प में एआई-चालित आईओटी किट का प्रयोग किया जाता है जो उपकरण और किये गये कार्य का पता लगाकर बताता है। उपकरण की फ्लीट वाले रेंटल एंट्रेप्रेन्योर्स पर लक्षित, इस प्लग एंड प्ले किट का उपयोग बेहद आसान है, इसे आसानी से समझा जा सकता है और यह अत्यंत किफायती भी है। लगभग 2000 रेंटल एंट्रेप्रेन्योर्स द्वारा उपयोग किया जा चुका, यह किट किराये के परिचालनों की क्षमता और मुनाफा बढ़ा देती है।

Copyright © 2020 Mahindra & Mahindra Ltd. All rights reserved.

ये तीनों एप्स - ***कृष-ई, कृष-ई रेंटल और कृष-ई निदान*** गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध हैं, जहां से इन्हें डाउनलोड किया जा सकता है।

**महिन्द्रा के विषय में**

महिन्द्रा समूह 19.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर वाला कंपनियों का समूह है, जो नये-नये मोबिलिटी समाधानों के जरिए और ग्रामीण समृद्धि, शहरी रहन-सहन को बढ़ाते हुए, नये व्यवसायों को प्रोत्साहन देकर और समुदायों की सहायता के जरिए लोगों को राइज अर्थात् उत्थान करने में सक्षम बनाता है। इसका ट्रैक्टर, उपयोगिता वाहन, सूचना प्रौद्योगिकी और वैकेशन ओनरशिप में अग्रणी स्थान है और यह वॉल्युम की दृष्टि से दुनिया की सबसे बड़ी ट्रैक्टर कंपनी है। कृषि-व्यवसाय, एयरोस्पेस, कल-पुर्जे, परामर्श सेवाओं, प्रतिरक्षा, ऊर्जा, औद्योगिक सेवाओं, लॉजिस्टिक्स, जमीन-जायदाद, खुदरा, इस्पात और दोपहिये उद्योगों में महिन्द्रा की महत्वपूर्ण मौजूदगी है। इसका मुख्यालय भारत में है। महिन्द्रा में 100 से अधिक देशों में 2,56,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं।

www.mahindra.com / Twitter and Facebook: @MahindraRise पर महिंद्रा के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करें

**मीडिया संपर्क जानकारी**

मोहन नायर
वाइस प्रेसिडेंट (कम्यूनिकेशंस)
महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड
लैंडलाइन – + 91 22 28468510
ईमेल – nair.mohan@mahindra.com

Copyright © 2020 Mahindra & Mahindra Ltd. All rights reserved.